2018-

CBCS

GOVERNMENT COLLEGE (AUTONOMOUS)

KALABURGI

DEPARTMENT OF HINDI P.G

SYLLABUS FOR CBCS – M.A. I, II & III, IV SEMESTER

Government College (Autonomous) Kalaburagi

Course Structure for M.A. (Faculty of Arts & Social Sciences) and M.Com.

Name of the Master Degree : M.A. IN HINDI .

Course Code	Title of the Course	Total Credits	Teaching Hours/ Week	Marks Allocation					Total Max. Marks
				Internal		Semester end Exam.			
				Max. marks	Minimum Marks	Duration	Max. Marks	Minimum Marks	
Semester-I									
CCT 1.1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि काल एवं मध्य काल)	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
CCT 1.2	भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धान्त	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
CCT 1.3	भक्ति साहित्य और आंदोलन	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
DSE 1.1	किसी एक का अध्ययन 1. कवि विशेष का अध्ययन (कवियत्रि महादेवी वर्मा) 2. मध्यकालीन काव्य	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
DSE 1.2	किसी एक का अध्ययन 1. जनसंचार माध्यम. 2. हिन्दी व्याकरण.	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
	Total	**25**							500

Prof. Ram Prakash – [signature] Dr. Amruta Balwale – [signature] Dr. Anusaya Gaikwad [signature]
Dr. Santosh Tiwari – [signature] Prakash Jadhav [signature]
Dr. Hashumbaig Mirza – [signature] Mahesh T. Rangdal [signature]
[signature] [signature]

Semester-II									
CCT 2.1	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
CCT 2.2	पाश्चात्य साहित्य शास्त्र	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
CCT 2.3 /	हिन्दी आधुनिक कविता	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
DSE 2.1	किसी एक का अध्ययन : 1. हिन्दी नाटक विशेष अध्ययन 2. प्रयोजन मूलक हिन्दी.	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
GE 2.1 Open Elective	हिन्दी कहानियाँ	4	4	20	--	3 hrs	80	32	100
	Total	**24**							500

Prof. Ram Prakash – [signature]
Dr. Amrut Baluwale – Baluwale
Dr. Anusaya Gaikwad [signature]
Dr. Savita Tiwari – [signature]
Prakash Jadhav [signature]
Dr. Hashambaig Mirza – [signature]
Mahesh T. Rangdal [signature]
Prof. [illegible] [signature]

Baluwale

CC 3.1	हिन्दी भाषा का इतिहस	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
CC 3.2	भाषा विज्ञान का अध्ययन	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
CC 3.3 /	अनुसंधान प्रविधि	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
DSE 3.1	Soft Core Course किसी एक का अध्ययन : 1. महिला साहित्य का अध्ययन 2. तुलनात्मक अध्ययन और साहित्य	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
GE 3.1 Open Elective	हिन्दी कविता	4	4	20	--	3 hrs	80	32	100
	Total	**24**							**500**

Ram Prakash - [signature]
Dr. Amrin Baluwala - Baluwala
Dr. Anusaya Gaikwad - Gaikwad
Dr. Savita Tiwari - [signature]
Prakash Jadhav - Jadhav
Hashambaig Mirza - [signature]
Mahesh T. Rangdal - M. Rang
Pramila Ambekar - [signature]

Baluwala
Chairman (BOS)
... Hindi

CC 4.1	अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
CC 4.2	हिन्दी पत्रकारिता	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
CC 4.3 /	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट वर्क)	5	5	20	--	3 hrs	60+20=80 Viva Voce	32	100
DSE 4.1	Soft Core Course किसी एक का अध्ययन : 1. हिन्दी दलित साहित्य 2. आधुनिक हिन्दी आलोचना	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
DSE 4.2	किसी एक का अध्ययन : 1. हिन्दी उपन्यास विशेष अध्ययन 2. हिन्दी कंप्यूटर	5	5	20	--	3 hrs	80	32	100
	Total	25							500

Ram Prakash -

Dr. Amruta Baluwale - Baluwale

Dr. Anusaya Gaikwad

Dr. Sunita Tiwari -

Prakash Jadhav

Mahesh T. Rangdal

Mirza -

Baluwale

Chairman (BOS)

UG/PG ... of Hindi

ಕರ್ನಾಟಕ ಸರಕಾರ
ಕಾಲೇಜು ಶಿಕ್ಷಣ ಇಲಾಖೆ
ಸರಕಾರಿ ಮಹಾವಿದ್ಯಾಲಯ (ಸ್ವಾಯತ್ತ), ಕಲಬುರಗಿ
(ನ್ಯಾಕನಿಂದ "A" ಶ್ರೇಣಿಯ ಮಾನ್ಯತೆ ಪಡೆದಿದೆ)
ಸೇಡಂ ರಸ್ತೆ, ಕಲಬುರಗಿ – 585 105

No. GCAK/BOS(PG)/Hindi/2017-18/ Date: 28-4.2018

PROCEEDINGS OF THE BOS MEETING

The meeting of Board of Studies in Hindi (PG) held on 27-04-2018 and 28-04-2018 in the Department of Hindi, Government College (Autonomous), Kalaburagi to frame and approve the syllabus

Members Present:

1. Dr Amruth Baluwale, Associate Professor, Govt. College, Kalaburagi - Chairman
2. Dr. Savita Tiwari , Associate Professor,Govt. College, Kalaburagi - Internal Member
3. Dr.Anusuya Gaikwad, Assistant Professor, Govt. College, Kalaburagi - Internal Member
4. Dr.Hasam Baig Mirza, Head and Associate Professor, Arts, Science and commerce college Naldurga, - External Member
5. Prof. Ramprakash, Head and BOS Chairman, Dept of Hindi, S V University Tirupati - External Member
6. Sri Mahesh Rangadal Kalaburagi - External Member
7. Prof. Parimala Ambekar, Chairperson, Dept of Hindi, Gulbarga University, Kalaburagi- University Nominee
8. Sri Prakash M Jadhav, Hunbat Thanda – Member (Alumni)

Chairman welcomed the members and highlighted the necessity of conduct of Board of Studies meeting. The committee took up the agenda for discussion and finalisation.

To frame and approve the syllabus

The members thoroughly discussed over the papers to be taught and their contents and resolved to have the following courses.

I Semester :	
CCT 1.1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि काल एवं मध्य काल)
CCT 1.2	भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धान्त
CCT 1.3	भक्ति साहित्य और आंदोलन
DSE 1.1	किसी एक का अध्ययन 1. कवि विशेष का अध्ययन (कवियत्रि महादेवी वर्मा) 2. मध्यकालीन काव्य
DSE 1.2	किसी एक का अध्ययन 1. जनसंचार माध्यम. 2. हिन्दी व्याकरण.
II Semester :	
CCT 2.1	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास
CCT 2.2	पाश्चात्य साहित्य शास्त्र
CCT 2.3 /	हिन्दी आधुनिक कविता
DSE 2.1	किसी एक का अध्ययन : 1. हिन्दी नाटक विशेष अध्ययन 2. प्रयोजन मूलक हिन्दी.
GE 2.1 Open Elective	हिन्दी कहानियाँ

Semester :	
3.1	हिन्दी भाषा का इतिहस
3.2	भाषा विज्ञान का अध्ययन
3.3 /	अनुसंधान प्रविधि
E 3.1	Soft Core Course किसी एक का अध्ययन : हिन्दी 1. महिला साहित्य 2. तुलनात्मक अध्ययन और साहित्य
E 3.1 pen Elective	हिन्दी कविता
/ Semester :	
C 4.1	अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग
C 4.2	हिन्दी पत्रकारिता
C 4.3 /	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट वर्क)
SE 4.1	Soft Core Course किसी एक का अध्ययन : 1. हिन्दी दलित साहित्य 2. आधुनिक हिन्दी आलोचना
SE 4.2	किसी एक का अध्ययन : 1. हिन्दी उपन्यास विशेष अध्ययन 2. हिन्दी कंप्यूटर

The committee also approved the syllabus of all the above courses.

(Dr Amruth Baluwale) (Dr. Savita Tiwari.) Dr.Anusuya Gaikwad)

(Dr.Hasam Baig Mirza) (Prof. Ramprakash,) (Sri Mahesh Rangadal)

(Prof. Parimala Ambekar) (Sri Prakash M Jadhav)

Chairman (BOS)

पाठ्यक्रम संरचना

एम्.ए. हिन्दी प्रथम सत्र (फ़र्स्ट सेमिस्टर)

C.C–1.1 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

1. * हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, कालविभाजन तथा नामकरण
   * आदिकालीन युगीन परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ ।
   * आदिकाल के प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय चन्दबरदाई, विद्यापति, अमीर खुसरो ।

2 * हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल का उदय और विकास ।
   * निर्गुण एवं सगुण–भक्ति का स्वरूप एवं भेद ।
   * भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय

   प्रमुख कवि–कबीर, तुलसीदास, सूरदास, जायसी, मीराबाई, रैदास ।

3. भक्तियुगीन विविध काव्यधाराओं का परिचय :
   * सन्त काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्ण काव्य ।
   * सन्त काव्य की सामान्य विशेषताएँ ।
   * सूफी काव्य का उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियाँ ।
   * रामभक्ति शाखा का उद्भव और विकास ।
   * कृष्ण भक्ति काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ ।

4. रीतिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियँ ।
   * रीतिकाल काल की रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा ।
   * रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार ।

   बिहारी, केशवदास, घनानन्द, भूषण ।

Chairman (BOS)
Hindi
UG/PG

5. रीतिकाल साहित्य की उपलब्धियाँ ।

* श्रृंगारी काव्य, रीतिकाव्य का हिन्दी साहित्य में योगदान खड़ी बोली गद्य का अविर्भाव ।

सहायक ग्रंथ सूची:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास –डॉ. नगेन्द्र ।
2. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – शिव्कुमार शर्मा ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास – अ्चार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञनिक इतिहस – गणपतिचन्द्र गुप्त ।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय ।
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – अ्चार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
8. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – रणजीत ।
9. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान – श्याम मनोहर पाण्डेय ।
10. आदिकाल एवं भक्तिकाल के सामाजिक संस्कृतिक आयाम – शम्भूनाथ पाण्डेय ।
11. हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल व रीतिकाल – विष्णु शरण ।
12. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल – महेन्द्रनाथ राय ।
13. सन्तमत – प्रतापसिंह चौहान ।
14. हिन्दी रीति साहित्य – भगीरथ मिश्र ।
15. हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा – पूर्णदास ।

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi
Govt. College (Autonomous)
KALABURAGI-5

एम्.ए. हिन्दी प्रथम सत्र (फस्ट सेमिस्टर)

C.C–1.2 भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त :

1. * भारतीय काव्य शास्त्र का उद्‌भव और विकास ।

   * काव्य का स्वरूप एवं तत्व, काव्य के हेतु, काव्य के प्रयोजन ।

2. * काव्य की आत्मा : विभिन्न सम्प्रदाय ।

   * रस सिद्धान्त, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण ।

3. * अलंकार सिद्धान्त : अलंकार का लक्षण एवं स्वरूप ।

   * अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार के भेद ।

   * प्रमुख अलंकारों का परिचय :–यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशोक्ति ।

4. * ध्वनि संप्रदाय :– स्वरूप, अर्थ, ध्वनि के भेद, ध्वनि सिद्धान्त, ध्वनि और रस, ध्वनि और अलंकार, ध्वनि और औचित्य, ध्वनि और रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति ।

   * शब्द शक्तियाँ :– अर्थ एवं स्वरूप, शब्द शक्ति के प्रकार, व्यंजना की परिभाषा एवं स्वरूप, व्यंजना के भेद ।

5. * रीति सम्प्रदाय :– अर्थ , रीति और अन्य आचार्य, रीति और गुण, रीति के भेद, रीति और शैली ।

   * वक्रोक्ति :– अर्थ, वक्रोक्ति सम्प्रदाय की मान्यताएँ, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति सिद्धान्त का विकास ।

Balewale
Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi
Govt. College (Autonomous)

* औचित्य :– स्वरूप, औचित्य की परम्परा, औचित्य के प्रकार, औचित्य के भेद ।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय – वाणी प्रकाशन दिल्ली ।
2. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य–चिंतन – डॉ. सभापति मिश्र, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा – डॉ. नगेन्द्र–नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका – डॉ. योगेन्द्रप्रतापसिंह – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र की रूपरेखा– रामचन्द्र तिवारी – लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. भारतीय काव्य शास्त्र – तारकानाथ बाली–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. रस सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र – निर्मला जैन–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त – गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

**

Chairman (BOS)
UG Dept. of Hindi

एम्.ए. हिन्दी प्रथम सत्र (फस्ट सेमिस्टर)

C.C–1.3 भक्ति साहित्य और आन्दोलन :

1 भक्ति साहित्य उद्भव और विकास, परिस्थितियाँ ।

2. भक्ति साहित्य आन्दोलन : सन्त साहित्य – (कबीर)

3 भक्ति साहित्य आन्दोलन : रामभक्ति साहित्य – (तुलसी) ।

4. भक्ति आन्दोलन – कृष्ण भक्ति साहित्य (सूरदास, नन्ददास, अष्टछाप कवि)

5. भक्ति आन्दोलन – सूफी साहित्य – मलिक मुहमद जायसी ।

सहायक ग्रंथसूची :

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी –रजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
4. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ – शिवकुमार शर्मा ।
5. सन्त मत – प्रतापसिंह चौहान ।
6. हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल व रीतिकाल – विष्णु शरण ।
7. आदिकाल एवं भक्तिकाल के सामाजिक सांस्कृतिक आयाम – शम्भूनाथ पाण्डेय।
8. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान – श्याम मनोहर पाण्डेय ।
9. हिन्दी भक्ति काव्य – डॉ. भरत शेणकर – चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर ।

**

Balwade

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi

एम्.ए. हिन्दी प्रथम सत्र (फस्ट सेमिस्टर)

(किसी एक का अध्ययन) **(Soft Core)**

D.S.E–1.1 **कवि विशेष का अध्ययन : कवियित्री महादेवी वर्मा :**

1 यामासे चयनील कुल 30 कवितायें ।

अभ्यासार्थ कविताएँ : 3, 4, 6, 11, 14, 16, 20, 24, 25, 29, 35, 42, 47, 55, 59, 62, 63, 70, 79, 82, 83, 87, 88, 89, 90, 93, 96, 102, 104, 105.

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi
Govt. College (Autonomous)
KALABURAGI

2 मध्यकालीन काव्य :

1. कबीर ग्रंथावली – श्यामसुन्दरदास –आरंभिक पाँच अंग के पाँच–पाँच दोहे।
2. भ्रमरगीतसार – स. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल–आरंभिक 10 पद ।
3. अयोध्याकाण्ड – तुलसीदास–आरंभिक 10 पद ।
4. जायसी ग्रंथावली जायसी– सं. रामचन्द्र शुक्ल– नागमती वियोग खण्ड ।
5. बिहारी रत्नाकर–जगन्नाथदस रत्नाकर ~~से~~ आरंभिक 10 दोहे ।

(किसी एक का अध्ययन) **(Soft Core)**

D.S.E–1.2 जनसंचार माध्यम :

1 जनसंचार का अर्थ एवं परिभाषा ।
2. जनसंचार का महत्व, जनसंचार और विज्ञापन ।
3. जनसंचार माध्यम का विकास :– पत्रकारिता, आकाशवाणी, दूरदर्शन, इन्टरनेट ।
4. जनसंचार और समाज, जनसंचार उद्योग के रूप में ।
5. हिन्दी के विकास में जनसंचार माध्यमों का योगदान, मीडिया : नई चुनौतियाँ।

सहायक ग्रंथसूची :

1. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जवरीमल्ल पारख ।
2. संचार माध्यम और सांस्कृतिक वर्चस्व – हरबर्ट. आई. शिलर ।
3. जनसंपर्क सिद्धान्त और तकनीक – राजीव भानावत ।
4. भारत में संचार और जनसंचार – जे.वी. विलानियम ।
5. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी ।

Baluwal
Chairman (BOS)

2.

हिन्दी व्याकरण

1. हिन्दी शब्द समूह :-

तत्सम् शब्द, तद्भव शब्द, गृहित या विदेशी शब्द
आधुनिक भारतीय आर्य भाषा से आगत शब्द
भारतीय अनार्य भाषाओं के आगत शब्द
विदेशी भाषाओं से आगत शब्द
देशज शब्द - शब्द समूह में परिवर्तन, दिशाएँ और कारण

2. शब्द रचना:-

लिंग, वचन, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, सन्धि।

3. रूप -विचार :-

संज्ञा, सर्वनाम, बिशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण।

4. वाक्य-प्रयोग :-

परिभाषा, वाक्य के अंग, वाक्य के तत्व।
हिन्दी वाक्य रचना के सामान्य नियम, वाक्य प्रयोग।
अशुध्दियों का निवारण, कुछ उदाहरण।

5. पल्लवन :-

परिभाषा, व्याख्या और भावार्थ, पल्लवन के कुछ सामान्य नियम, पल्लवन के कुछ उदाहरण
मुहावरें।

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना-हरदेव बाहरी: लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
2. अच्छी हिन्दी-आचार्य रामचन्द्र वर्मा:- लोकभाराती प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सुबोध हिन्दी व्याकरण-आरंज्योति:- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी-माधव सोनटक्के:- लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
5. हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण:- आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Chairman (BOS)
UG ... Dept. ... Hindi

एम्.ए. हिन्दी द्वितिय सत्र (सेकेंड सेमिस्टर)

C.C–2.1 आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास :

1. आधुनिक काल की परिस्थितियाँ, आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।
2. भारतेन्दु युग : प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ, साहित्य की विशेषताएँ ।
3. द्विवेदी युग : प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ, साहित्य की विशेषताएँ ।
4. छायावादी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ, साहित्य की विशेषताएँ ।

   प्रमुख धाराएँ :प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता, दलित एवं महिला काव्य ।
5. हिन्दी गद्य साहित्य : उद्‌भव और विकास ।

   प्रमुख गद्य प्रकारों का विकास : कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, निबन्ध, आलोचना ।

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक साहित्य – नन्ददुलारे वाजपेयी ।
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – शिवकुमार शर्मा
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहस – गणपति चन्द्र गुप्त ।

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi
Govt. College (Autonomous)
KALABURAGI-585105

एम्.ए. हिन्दी द्वितिय सत्र (सेकेंड सेमिस्टर)

C.C–2.2 पाश्चात्य साहित्य शास्त्र :

1. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र का विकास, प्लेटो का साहित्य सिद्धान्त और विशेषताएँ

   अरस्तु के काव्य सिद्धान्त : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी, विरेचना सिद्धान्त,।

2. लोंजाइन्स की उदात्तसिद्धान्त की अवधारणा, उदात तत्व ।

3. विलियम वर्डसवर्थ के काव्य भाषा सिद्धान्त की आलोचना ।

   कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त और वर्गीकरण ।

4. मैथ्यू अर्नाल्ड की काव्य कला का विवेचन।।

   क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, आई.ए.रिचर्डस का साहित्य सिद्धान्त ।

   टी.एस. इलियट के काव्य समीक्षा सम्बन्धी सिद्धान्त

5. विभिन्नवाद:– मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद,

   उत्तरसंरचनावाद, आधुनिकवाद उत्तर आधुनिकतावाद :

सहायक ग्रंथ सूची :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ. रामचंद्र तिवारी ।
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : इतिहास सिद्धान्त और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. अस्तित्ववाद से गांधीवाद तक – मस्तराम कपूर – वणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–तारकनाथ बाली – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – निर्मला जैन – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन – डॉ. सभापति मिश्र – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

Baluwale

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi

एम्.ए. हिन्दी द्वितिय सत्र (सेकेंड सेमिस्टर)

C.C–2.3 हिन्दी आधुनिक कविता

1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत नवम सर्ग
2. निराला – रामकी शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
3. जयशंकर प्रसाद – कामायनी – श्रद्धा सर्ग ।
4. रामधारिसिंह दिनकर –1) हिमालय के प्रति , 2) इतिहास के न्याय, 3) शबनम की जंजीर ।
5. अज्ञेय – असाध्यवीणा

(किसी एक का अध्ययन) (Soft Core)

D.S.E–2.1 हिन्दी नाटक विशेष अध्ययन

1. धुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
2. लहरों के राजहँस – मोहन राकेश ।
3. माधवी–भीष्म सहानी ।
4. अंधायुग – धर्मवीर भारती ।
5. कोर्ट मार्शल –स्वदेश दीपक ।

2.2 प्रयोजन मूलक हिन्दी :

1. प्रयोजनमूल्क हिन्दी : नामकरण, परिभाषा एवं स्वरूप; व्यवहार क्षेत्र की प्रयुक्तियाँ ।

   वैज्ञानिक और तकनीकी हिन्दी ।
2. पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द स्वरूप, परिभाषा ।

   पारिभाषिक शब्दावली की सामान्य विशेषताएँ ।

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi

3. व्यावहारिक – व्यावसयिक पत्रलेखन :– व्यावसायिक पत्र और स्वरूप एवं प्रारूप, व्यवसायिक–व्यावहारिक पत्र की विशेशताएँ ।

4. सरकारी तथा अर्धसरकारी पत्र व्यवहार : सरकारी पत्राचार की सामान्य विशेशताएँ ।

   सरकारी पत्र के अन्य रूप :– ज्ञापन, अधिसूचना, आदेश, संकल्प, परिपत्र, प्रेस विज्ञाप्ति ।

5. कम्प्यूटर :– सामान्य परिचय, कम्प्यूटर की उपयोगिता, कम्प्यूटर के प्रकार, हिन्दी में शब्द संसाधन ।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग – दंगल झाल्टे–वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी भाषा – कैलाशचन्द्र भाटिया – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. कम्प्यूटर और हिन्दी – डॉ. हरिमोहन– तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी –माधव सोनटक्के–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

**

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi
Govt. College (Autonomous)
KALABURAGI-585105

(Open Elective)

G.E–2.1 हिन्दी कहानियाँ :

1. उसने कहा था – चंद्रधर गुलेरी । ताई – विशंभरनाथ शर्मा कौशिक ।
2. ईदगाह – प्रेमचन्द । आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद ।
3. पाजेब – जैनेन्द्र , शरणदाता – अज्ञेय ।
4. चीफ की दावत – भीष्मसहानी, पिता – ज्ञानरंजन ।
5. वापसी – उषाप्रियवंदा, सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi

तृतीय सत्र (Third Semister)

CC 3.1 हिन्दी भाषा का इतिहास:-

1. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, हिन्दी के विविध रूप, हिन्दी का विभिन्न अर्थ, पूर्वि हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर, साहित्यिक भाषा और सम्पर्क भाषा में अन्तर।

2. हिन्दी की ध्वनियां और वर्गीकरण, हिन्दी स्वरों का उच्चारण, व्यंजनों का उच्चारण, हिन्दी ध्वनियों का विकास।

3. हिन्दी शब्द भंडार, हिन्दी का अर्थ संरचना- अर्थ की अभिव्यक्ति, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, लिंग और अर्थ, वचन और अर्थ आदि।

4. देवनागरीलिपि का उद्‌भव और विकास, देवनागरी की विशेषताएँ, देवनागरीलिपि की वैज्ञानिकता, हिन्दी भाषा और देवनागरीलिपि का मानकीकररण।

5. हिन्दी का राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप।

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण-भोलानाथ तिवारी
3. हिन्दी भाषा- कैलाशचन्द्र भाटिया
4. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास-उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी भाषा संरचना और व्यावहारिक व्याकरण- वेंकटरमणराव
6. नागरीलिपि और हिन्दी वर्तनी-अनंत चौधरी
7. हिन्दी उद्‌भव विकास और रूप- हरदेव बाहरी
8. हिन्दी भाषा इतिहास और स्वरूप-राजमणि शर्मा
9. पुरानी हिन्दी - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
10. हिन्दी विकास और संभावनाएँ - कैलाशचन्द्र भाटिया

Chairman (BOS)
Dept. of Hindi

CC 3.2 भाषा विज्ञान-

1. भाषा का अर्थ, भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ, भाषा की प्रकृति, भाषा के विविध रूप, भाषा विज्ञान की शाखाएँ, भाषा विज्ञान की उपयोगिता।

2. भाषा उत्पत्ति के सिध्दान्त-दैवी उत्पत्ति सिध्दान्त, धातु सिध्दान्त, निर्णय सिध्दान्त, अनुकरण सिध्दान्त, मनोभावोभिव्यक्ति सिध्दान्त, सम्पर्क सिध्दान्त, विकासवादी सिध्दान्त, भाषाओं का वर्गीकरण-आकृतिमूलक, पारिवारिक वर्गीकरण।

3. ध्वनिविज्ञान-परिभाषाएँ, ध्वनि विज्ञान की शाखाएँ, भाषा के अर्थ में ध्वनियाँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनिपरिवर्तन के स्वरूप, ध्वनि नियम, ध्वनि नियम का अर्थ, ध्वनिग्राम और ध्वनि नियम।

4. वाक्य विज्ञान- वाक्य की परिभाषा, वाक्य की विशेषताएँ, वाक्य रचना विधान, वाक्यों के प्रकार, वाक्य के प्रकार, वाक्य रचना में परिवर्तन, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ, वाक्य के निकटस्थ अवयव, मूल वाक्यों में रूपांतरण।
रूप विज्ञान- परिभाषा, पद और शब्द, पद और धातु, संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार, संबंध तत्व का उद्देश्य, रूप परिवर्तन, रूप परिवर्तन के प्रकार, पद रचना विधान।

5. अर्थ विज्ञान- अर्थ की परिभाषा, अर्थ के प्रकार, अर्थबोध के माध्यम, अर्थ परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन के प्रकार एवं कारण, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध।
लिपि विज्ञान- लिपि की उत्पत्ति, लिपियों का विकास, संसार की लिपियाँ, भारत की लिपियाँ, लिपि विकास के कुछ महत्वपूर्ण पड़ाव, नागरी लिपि, ब्राह्मीलिपि का विकास।

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. भाषा विज्ञान-भोलनाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भाषा शास्त्र के सुत्रधार- रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र-कपिलदेव द्विवेदी
5. आधुनिक भाषा विज्ञान-कृपाशंकर सिंह
6. भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिन्दी भाषा-भोलनाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा और लिपि-राजमणि शर्मा
8. भाषा विज्ञान के सिध्दान्त और हिन्दी भाषा-द्वारिका प्रसाद सक्सेना

Chairman (BOS)
Hindi

CC 3.3 अनुसंधान प्रविधि-

1. अनुसंधान का अर्थ एवं स्वरूप, अनुसंधान एवं आलोचना, अनुसंधान के मूलतत्व, विषय चयन की समस्याएँ एवं समाधान, हिन्दी अनुसंधान की संभावनाएँ।

2. शोध कार्य का विभाजन- अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात, शोधकार्य की रूपरेखा- विषयसूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रन्थों की सूची, सन्दर्भ उल्लेख, पाद टिप्पणी। साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पध्दतियों का उपयोग।

3. सामग्री संकलन-स्वरूप, प्रमाण और प्रकार, हस्तलेखों का संकलन, तथ्य संकलन के विविध साधन, साक्षात्कार की पध्दति, प्रश्नावली की तैयारी।

4. साहित्य सामग्री का मूल्यांकन- परिभाषा, सिध्दान्त एवं स्वरूप, मूल्यांकन का महत्व, चयनित विषय क्षेत्र के सामग्री का मूल्यांकन।

5. शोध आलेख लेखन-पध्दति, प्रक्रिया और विधान, शोध लेखन के प्रकार।

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ-मोतीलाल बनारसीदास
2. शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली-कौल लोकेश
3. शोध का सैध्दान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष-डॉ. विजय महादेव गाडे
4. रिसर्च मेथडोलाजी-लक्ष्मीनारायण कोली
5. अनुसंधान पध्दति शास्त्र : क्या, क्यूँ और कैसे- लोकेश के. प्रसाद
6. साहित्यिक अनुसंधान-राम प्रकाश
7. शोध स्वरूप एवं मानक व व्यावहारिक कार्य विधि- वैजनाथ सिंह
8. शोध प्रविधि-विजयमोहन शर्मा

Baluwale

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi

Soft Coure Course (any one)
किसी एक का अध्ययन

DSE 3.1 हिन्दी महिला साहित्य

1. हिन्दी में महिला चिंतन और लेखन का स्वरूप,लक्ष्य और उद्देश्य।
2. हिन्दी में महिला लेखन की दशा और दिशा और स्त्री विमर्श।
3. हिन्दी महिला कवियित्रियों की रचनाएँ-
   अ. सुभद्राकुमारी चौहान-खिलौनेवाला, चिन्ता, झाँसी।
   ब. अनामिका-स्त्रीयाँ, बेजगह, पतिवृता ।
   क. कात्यायनी-चाहत, प्रार्थना, उनका भय।
   ड. निर्मला पुतूल-बाँस, एक बार फिर, तुम्हें आपत्ति है।
4. हिन्दी महिला लेखिकाओं की कहानियाँ-
   अ. मन्नु भंडारी- अकेली,
   ब. कृष्णा सोबती-मेरी माँ कहाँ
   क. मृदुला गर्ग-सितम के फनकार
   ड. चित्रा मुदगल-रिश्ता
5. हिन्दी महिला उपन्यासकार की रचना-
   अ. ममता कालिया-दौड़

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. स्त्री अस्मिता : साहित्य और विचारधारा- जगदीश्वर चतुर्वेदी
2. स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प- रोहिणी अग्रवाल
3. आधुनिक महिला लेखन - सं. रमणिका गुप्ता
4. स्त्री लेखन और समय के सरोकार- हेमलता माहेश्वर
5. स्त्री विमर्श : विविध पहलू - सं. कल्पना वर्मा
6. स्त्री चिन्तन की चुनौतियाँ - रेखा कस्तवार
7. नारीवादी विमर्श - राकेश कुमार

Chairman (BOS)
Hindi

DSE 3.1.2 तुलनात्मक अध्ययन और साहित्य-

1. तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, तुलनात्मक साहित्य की उपयोगिता, क्षेत्र और चुनौतियाँ।

2. तुलनात्मक अध्ययन बनाम तुलनात्मक साहित्य, तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन एवं शोधकार्य, अनुवाद की भूमिका।

3. हिन्दी कन्नड़ कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन-
   अ. मैथिलीशरण गुप्त और कुवेंपु की कविताएँ।
   ब. सुमित्रानंदन पंत और बेन्द्रे की कविताएँ।
   क. रामधारिसिंह दिनकर और गोकाक की कविताएँ।
   ड. अज्ञेय और अडिग की कविताएँ।

4. हिन्दी कन्नड़ कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन-
   अ. प्रेमचन्द- पुस की रात और निरंजन- कोनेय गिराकी।
   ब. कावेरी- सुमंगली और डॉ. गीता नागभूषण-अव्वा।
   क. ओम्प्रकाश वाल्मीकि-छत्री और अरविंद मालगत्ती-मुगीयद कथेगळु।
   ड. जायप्रकाश कर्दम-लाठी और देवनूर महादेव-अमास।

5. हिन्दी कन्नड़ उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन-
   अ. प्रेमचंद- गोदान और डॉ. शिवराम कारन्त चोमनदुडि।

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. तुलनात्मक साहित्य- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिकेशन, दिल्ली।
2. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका-इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिकेशन, दिल्ली।
3. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ, राजमलबोरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य, सं. राजुरकर।
5. तुलनात्मक साहित्य : विश्वनाथ अय्यर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi
Govt. College (Autonomous)
KALABURAGI

Open Elective Course

GE 3.1 हिन्दी कविता-

1. भारतेन्दु-मात्रभाषा प्रेम, माखनलाल चतुर्वेदी-फूल की चाह।
2. सुमित्रानंदन पंत- ताज, निराला-भिक्षुक।
3. बच्चन- उपवन, नागार्जुन-मंत्र।
4. धर्मवीर भारती- टुटा पहिया, धुमिल - मोचीराम।
5. अनामिका- स्त्रियाँ, सुशीला टाकभौरे- मासूम भोली लड़की।

Chairman (BOS)
UG/PG ... of Hindi
Govt. Co...
KA...

चतुर्थ सत्र (Fourth Semister)

CC 4.1 अनुवाद : सिध्दान्त और प्रयोग :-

1. अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र एवं सीमाएँ, अनुवाद कला, विज्ञान और शिल्प।
2. अनुवाद के प्रकार : साहित्यिक अनुवाद और साहित्येतर अनुवाद, अनुवाद के अन्य प्रकार - शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, काव्यानुवाद, नाट्यनुवाद आदि।
3. अनुवादक के गुण, अनुवादक की प्रक्रिया एवं प्रविधि।
4. अनुवाद की समस्याएँ- अर्थ की समस्याएँ, सामाजिक सांस्कृतिक समस्याएँ, अनुवाद की शैलीपरक समस्याएँ, मुहावरों और लोकोक्तियों की समस्याएँ, लिप्यंतरण की समस्याएँ, रूपस्तरिय समस्याएँ आदि।
5. प्रायोगिक अनुवाद-हिन्दी से कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद।
   कन्नड़ या अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद।

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. अनुवाद कला सिध्दान्त और प्रयोग - कैलाशचन्द्र भाटिया
2. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप - कैलाशचन्द्र भाटिया
3. अनुवाद सिध्दान्त और प्रयोग - जी. गोपीनाथन्
4. काव्यानुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद सिध्दान्त की रूपरेखा - डॉ. सुरेशकुमार
6. अनुवाद भाषाएँ समस्याएँ -एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
7. अनुवाद का समाजशास्त्र - डॉ. सुर्यनारायण रणसुभे
8. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य - रीतारानी पालीवाल

Chairman (BOS)

CC 4.2 हिन्दी पत्रकारिता:-

1. पत्रकारिता-अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रमुख प्रकार
2. भारत में पत्रकारिता का आरंभ, हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास, पत्रकारिता और हिन्दी भाषा
3. समाचार पत्र-समाचार पत्रों की विशेषताएँ, समाचार पत्रों के कर्तव्य
4. समाचार- समाचार के विविध रूप, समाचार के स्त्रोत, समाचार समितियों का क्षेत्र, संपादन कला का स्वरूप, संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार
5. इलेक्ट्रॉनिक मिडिया की पत्रकारिता-आकाशवाणी, दूरदर्शन, मल्टी मीडिया, सूचना प्रौद्यागिकी, ई-जर्नलिज्म्

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. पत्रकारिता के मूल सिध्दान्त - नवीनचन्द्र पंत
2. पत्रकारिता के स्वरूप एवं प्रमुख पत्रकार - नवीनचन्द्र पंत
3. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ - विनोद गोदरे
4. पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ - पृथ्वीनाथ पाण्डेय
5. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र- रविन्द्र शुक्ल
6. सूचना प्रौद्योगिकी एवं पत्रकारिता - अशोक मलिक
7. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास - अर्जुन तिवारी

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi
Govt. College (Autonomous),
KALABURAGI-585105

CC 4.3 परियोजना कार्य (Project Work) :-

समग्र हिन्दी साहित्य में से किसी एक विषय को चयनित कर अपनी परियोजना कार्य को प्रस्तुत कर सकते हैं।

Soft Coure Course (any one) :- किसी एक का अध्ययन

DSE 4.1 हिन्दी दलित साहित्य

1. दलित शब्द का अर्थ, परिभाषा, दलित चेतना का सामाजिक और सांस्कृतिक आधार, दलित जीवन यथार्थ, दलित का जातिय आधार।

2. दलित साहित्य का अभिप्राय और स्वरूप, विशेषताएँ, लक्ष्य और उद्देश्य, अभिव्यक्ति।

3. हिन्दी दलित कविताएँ-
   अ. ओमप्रकाश वाल्मीकि की कविताएँ- तब तुम क्या करोगे ?, शायद आप जानते हो, बस्स बहुत हो चुका।
   ब. मोहनदास नैमिशराय- आन्दोलन, सच यही है, झाड़ूँ और कलम।

4. हिन्दी दलित कहानियाँ-
   अ. सुशीला टाकभौरे - संघर्ष, टूटता वहम।
   ब. मोहनदास नैमिशराय - महाशुद्र, अपना गाँव।
   क. श्योराजसिंह बेचैन - रावण।
   ड. कुसुम वियोगी - और वह पढ गई।

5. हिन्दी दलित उपन्यास-
   अ. जयप्रकाश कर्दम - छप्पर

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. दलित साहित्य : एक मूल्यांकन - प्रो. चमनलाल
2. दलित साहित्य : स्वरूप और संवेदना - डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे
3. दलित समाज और संस्कृति - डॉ. तेजसिंह
4. मुख्यधारा और दलित साहित्य - ओमप्रकाश वाल्मीकि
5. दलित विमर्श की भूमिका - कँवल भारती
6. दलित साहित्य के आधार तत्व - हरपाल सिंह अरूष
7. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र - शरणकुमार लिंबाळे
8. दलित वैचारिकी की दिशाएँ - सं. बद्रीनारायण
9. दलित साहित्य के प्रतिमान - डॉ. एन. सिंह

Chairman (BOS)
UG/PG Dept. of Hindi

DSE 4.1.2 आधुनिक हिन्दी आलोचना-

1. आलोचना का स्वरूप, उद्देश्य, आलोचना की प्रक्रिया, आलोचना के प्रमुख प्रकार, आलोचक के गुण।

2. हिन्दी आलोचना का विकास क्रम, हिन्दी आलोचना और सर्जनशील साहित्य।

3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - समाजशास्त्रीय आलोचना, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी-मानवतावादी आलोचना।

4. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी - सौष्ठववादी आलोचना, आचार्य रामविलास शर्मा-मार्क्सवादी आलोचना।

5. डॉ. नगेन्द्र - कलावादी आलोचना, डॉ. नामवरसिंह - रूपवादी आलोचना।

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. हिन्दी आलोचना स्वरूप और प्रक्रिया - आनंद प्रकाश दीक्षित
2. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिध्दान्त - डॉ. रामलाल सिंह
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
4. हिन्दी आलोचना का इतिहास - डॉ. रामदरश मिश्र
5. हिन्दी आलोचना उद्‌भव और विकास - भगवत स्वरूप मिश्र
6. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - डॉ. शिवकुमार मिश्र
7. डॉ. नगेन्द्र के आलोचना सिध्दान्त - नारायण प्रसाद चौबे
8. डॉ. रामविलास शर्मा - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
9. आलोचक रामविलास शर्मा - डॉ. नत्थन सिंह
10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - सं. विश्वनाथ तिवारी

Soft Coure Course (any one) :- किसी एक का अध्ययन

DSE 4.2.1 हिन्दी उपन्यास विशेष अध्ययन-

1. राग-विराग - श्रीलाल शुक्ल 2. झूठा-सच - यशपाल 3. तमस - भीष्मसाहनी
   4. छिन्नमस्ता - प्रभा खेतान 5. धार - संजीव।

DSE 4.2.2 हिन्दी कम्प्यूटर और साफटवेयर

1. कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, इतिहास, मुख्य भाग, कार्य प्रणाली।
2. डाटा प्रोसेसिंग - अर्थ, महत्व एवं अंग, कार्य प्रणाली, प्रकार, उपयोग।
   कम्प्यूटर संचालन और साफटवेयर - अर्थ एवं प्रकार।
3. डाटा निरूपण एवं कम्प्यूटर, कम्प्यूटर संगणना।
4. कम्प्यूटर के कार्यकारी अवयव, इनपुट युक्तियाँ, कुंजी पटल, माउस, मॉनीटर, मुद्रक।
5. फाइल प्रोसेसिंग, कम्प्यूटर ग्राफिक्स, कम्प्यूटर क्षेत्र और भाषाएँ - बेसिक एवं कोबोल, हिन्दी इंटरनेट।

सहायक ग्रंथ सूची:-

1. बेसिक प्रोग्रामिंग - संतोष चौबे
2. इलेक्ट्रॉनिक डाटा, प्रोसेसिंग के मूल तत्व -
3. कम्प्यूटर मीडिया - भगवानदेव पाण्डेय
4. हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर - संतोष गोयल
5. टंकण से कम्प्यूटर - रूपचन्द गौतम

Chairman (BOS)